वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 121 | सोमवार 25 अगस्त 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्री व मुख्यमंत्री ने किया एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी का निरीक्षण

एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी देश की ईंधन क्षमता में करेगी अभिवृद्धि- केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी

विकसित भारत की उभरती यात्रा में मील का पत्थर है राजस्थान रिफाइनरी: मुख्यमंत्री

जयपुर.का.स

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने रविवार को बालोतरा जिले के पचपदरा स्थित एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लि. (एचआरआरएल) का निरीक्षण किया। उन्होंने रिफाइनरी परिसर में क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट (सीडीयू) व डिलेयड कोकिंग यूनिट (डीसीयू) का सघन निरीक्षण किया एवं कर्मचारियों से आत्मीय मुलाकात कर उनके कार्य अनुभव की जानकारी ली। केन्द्रीय मंत्री पुरी एवं मुख्यमंत्री शर्मा ने रिफाइनरी मेन कंट्रोल रूम (आरएमसीआर) का उद्घाटन किया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री व केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री ने आरएमसीआर परिसर में ऑपरेटर प्रशिक्षण सिम्युलेटर का शुभारंभ किया। शर्मा ने सीडीयू, वीडीयू एवं डीसीयू यूनिट के कंट्रोल पैनल के माध्यम से पम्पिंग सिस्टम की शुरूआत की तथा इस प्रकिया की जानकारी ली।

कौशल प्रशिक्षण से स्थानीय युवाओं को रिफाइनरी में मिलेगा रोजगार

केन्द्रीय मंत्री एवं मुख्यमंत्री ने आरएमसीआर में परियोजना समीक्षा बैठक भी ली। बैठक में एचपीसीएल अधिकारियों ने पावर प्वाइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से रिफाइनरी की वर्तमान स्थिति, ओवरव्यू, उत्पाद व निकासी योजना एवं सभी महत्वपूर्ण रिफाइनरी इकाइयों की उपयोगिता एवं सम्पूर्ण उत्पादकता से संबंधित जानकारी दी। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री ने बैठक में रिफाइनरी अधिकारियों को कौशल विकास पहल की आगामी 15 दिनों में कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय युवाओं को कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से इस रिफाइनरी में रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों से रिफाइनरी की आगामी समय में शुरू होने वाली महत्वपूर्ण इकाइयों को लेकर भी चर्चा की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रिफाइनरी की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य एवं केन्द्र सरकार के संयुक्त प्रयासों से पिछले 6 माह में रिफाइनरी के कार्यों में उल्लेखनीय तेजी आई है और शीघ्र ही इसका संचालन प्रारंभ हो सकेगा। उन्होंने कहा कि यह रिफाइनरी स्थानीय युवाओं को रोजगार के साथ ही राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि हम पर्यावरण संरक्षण के साथ ही राज्य के चहुंमुखी विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस अवसर पर पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत, उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री श्री के.के. विश्नोई, सांसद राजेन्द्र गहलोत, विधायक हमीर सिंह भायल, डॉ. प्रियंका चौधरी, आदूराम मेघवाल, अरूण चौधरी सहित पूर्व केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री कैलाश चौधरी, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न उच्चाधिकारी एवं एचपीसीएल के अधिकारी मौजूद रहे।

रिफाइनरी के बेहतर संचालन में राज्य सरकार देगी हरसंभव सहयोग

मुख्यमंत्री ने बैठक में एचपीसीएल अधिकारियों को प्रदेश में सौर ऊर्जा उत्पादन एवं बैटरी स्टोरेज के लिए नवीन संभावनाएं तलाशने तथा सांभरा में रिफाइनरी द्वारा संचालित होने वाले अस्पताल को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने रिफाइनरी के उत्पादों की बिक्री संबंधी कार्ययोजना बनाने एवं सम्पूर्ण रिफाइनरी परिसर में अधिकाधिक पौधारोपण करने के निर्देश दिए। उन्होंने रिफाइनरी की महत्वपूर्ण इकाइयों के शीघ्र कार्यशील होने एवं पूर्ण क्षमता पर संचालन के लिए राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इससे पूर्व पौधारोपण भी किया गया।

सुदर्शनोंदय अतिशय तीर्थक्षेत्र आवा की प्रबंध कार्यकारिणी के चुनाव सम्पन्न

आवा, टोंक. शाबाश इंडिया। राजस्थान के सबसे स्वर्णिम प्राकृतिक छटा से सुशोभित टोंक जिले में स्थित तीर्थ स्थल सुदर्शनोंदय अतिशय तीर्थक्षेत्र आवा की प्रबंध कार्यकारिणी के चुनाव तीर्थ के प्रणेता मुनि श्री सुधासागर जी महाराज के मंगल सानिध्य में अशोकनगर मध्यप्रदेश में संपन्न हुए। चुनाव में अध्यक्ष नेमीचन्द जैन को बनाया गया। तीर्थक्षेत्र के प्रभारी आशीष जैन शास्त्री ने बताया कि शनिवार को अशोकनगर में संपन्न हुए चुनाव में शिरोमणि संरक्षक संजय छाबड़ा जयपुर, अध्यक्ष नेमीचंद जैन देवली, मंत्री पवन जैन , कोषाध्यक्ष दिनेश ठग को गौरव अध्यक्ष कैलाश चंद जैन संरक्षक को बनाया गया। राजस्थान का सबसे ज्यादा एनर्जी वाला तीर्थक्षेत्र है । तीर्थ क्षेत्र पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त धर्मशाला भोजनशाला और संत सुधासागर पब्लिक स्कूल भी संचालित है। साथ ही पूज्य गुरुदेव के आशीर्वाद से क्षेत्र पर हजारों वृक्षों का भी पौधारोपण भी किया गया है जो क्षेत्र की सुरम्यता को बढ़ाते हैं । ओमप्रकाश हरसौरा पदम गोयल भागचंद गोयल शांतिलाल लाल गोयल, दुर्लभ जी,नोरत को उपाध्यक्ष बनाया गया।

साखना में मेले की तैयारियों को लेकर मीटिंग का आयोजन

भगवान शांतिनाथ का महामस्तकाभिषेक किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। रविवार को श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र साखना में वार्षिक मेले के आयोजन के संबंध में समिति सदस्यों की मीटिंग की गई। मीडिया प्रभारी राजेश अरिहंत ने बताया कि रविवार को अतिशय क्षेत्र साखना में प्रातः भगवान शांतिनाथ भगवान शीतलनाथ एवं भगवान चंद्रप्रभु का महामस्तका अभिषेक किया गया तत्पश्चात पंडित अंकित शास्त्री के निर्देशन में भगवान की वृहद शांतिधारा की गई । शांतिधारा के पश्चात भगवान शांतिनाथ की पूजा शीतलनाथ भगवान की पूजा चंद्रप्रभु भगवान की पूजा पारसनाथ भगवान की पूजा कर अर्घ्य एवं श्रीफल समर्पित किए गए क्षेत्रपाल बाबा के पंचमेवा फल फूल मिष्ठान आदि चढ़ाकर चोला चढ़ाया गया। प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रकाश सोनी ने बताया कि दोपहर में मीटिंग हॉल में अतिशय क्षेत्र समिति के सदस्यों एवं आमंत्रित अतिथियों की मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें आगामी 7 अक्टूबर को होने वाले वार्षिक उत्सव एवं मेले के संबंध में विभिन्न प्रकार की चर्चा की गई। मेले में शांति मंडल विधान झंडा रोहण विशाल शोभायात्रा एवं भगवान का महामस्तका अभिषेक करने के संबंध में चर्चा की गई। मंत्री प्यारचंद जैन ने बताया कि मीटिंग में पारस जैन नगर कपूर चंद छान प्रेमचंद देवड़ावास पदम अजमेरा दुनी शिखर चंद धुआं विमलचंद निवाई महावीर प्रसाद उम महावीर कुमार निमोला प्यार चंद छान सूरजमल प्रकाश पटवारी आशीष डोसी निर्मल सोनी अशोक छाबड़ा सहित छान अरनिया नील देवड़ावास दूनी धुआं देवली नगर फोर्ट टोडा मालपुरा टोंक निवाई कोटा जयपुर आदि स्थानों से प्रबंध समिति के सदस्य पधारे। संध्या काल में गुरुकुल के छात्रों के द्वारा भगवान शांतिनाथ की महाआरती कर णमोकार महामंत्र के जाप का आयोजन किया गया। कोषाध्यक्ष मनीष बज ने बताया कि दशलक्षण पर्व के तहत पंडित अंकित शास्त्री के पावन निर्देशन में दसलक्षण धर्म पर विशेष पूजन एवं शांति धारा का आयोजन 28 अगस्त से 6 सितंबर तक किया जाएगा अतिशय क्षेत्र की पावन धरा पर प्रतिदिन प्रात सात बजे से नित्यभिषेक शांतिधारा सोलहकारण पूजा दसलक्षण धर्म पूजा पंच मेरु पूजा रत्नत्रय पूजा सुगंध दशमी पूजा अनंत चतुर्दशी पूजा वासुदेव भगवान का पूजन एवं निर्वाण लड्डु शांति धारा का आयोजन होगा।

महावीर नगर जैन मंदिर का 41वां स्थापना दिवस 26 अगस्त को

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर महावीर नगर जयपुर का 41 वॉ स्थापना दिवस मंगलवार 26 अगस्त को मनाया जायेगा। मंदिर प्रबंध कार्यकारिणी अध्यक्ष हरीश धाडुका व मंत्री सुनील बज ने बताया कि स्थापना दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया जायेगा । सुबह 6:00 बजे से अभिषेक व शांति धारा तथा सामूहिक पूजन प्रसिद्ध गायक अशोक गंगवाल, धर्म चंद भौच व सुभाष बज द्वारा साजो से कराई जायेगी। शाम को 108 दीपक से श्रीजी की आरती की जाएगी कार्यक्रम संयोजक राकेश पहाड़िया व चक्रेश जैन ने बताया कि स्थापना दिवस के अवसर पर जैन भवन मे शाम 7.30 बजे कुचामन के प्रसिद्ध गायक गौरव -खुशबू जैन द्वारा अपनी मधुर वाणी में भजनों की भव्य प्रस्तुति की जायेगी। संयोजक पवन जैन व प्रशांत पांड्या ने बताया कि इस अवसर पर दीप प्रज्वलन कर्ता नरेंद्र -सुनीता जैन एवं मुख्य अतिथि सुरेश- आभा, सौरभ गंगवाल होंगे। श्रींफल पुण्यार्जक के. के अग्रवाल -शकुंतला अग्रवाल होंगे। इस अवसर पर राकेश -ममता पहाड़िया द्वारा लक्की ड्रा से दस विजेता को पुरस्कृत किया जाएगा।

आचार्य श्री शांति सागर जी आध्यात्मिक उद्योगपति थे: आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

दो दिवसीय विद्वत संगोष्ठी प्रारंभ

टोंक. शाबाश इंडिया। प्रथमाचार्य श्री शांति सागर जी महाराज परम तपस्वी रहे आपने 35 वर्ष के साधु जीवन में 9938 उपवास किए। दिगंबर मन्दिरों जैन धर्म संस्कृति की रक्षा के लिए 1105 दिनों तक अन्न आहार का त्याग किया। 5 रसों फल का त्याग कर दूध और जल सहित सीमित सामग्री का आहार लिया ।उनके जीवन में कथनी और करनी में कार्य करने पर ही यकीन किया। वह दूरदर्शी और ज्ञानी थे। भाषा समिति से वाद विवाद नहीं होता। साधु का भाषा पर नियंत्रण होना चाहिए।आचार्य श्री शांति सागर जी जीवंत समयसार रहे। वह उपदेश में समयसार के पूर्व महाबंध ग्रन्थ स्वाध्याय की प्रेरणा देते थे। आप आध्यात्मिक उद्योग पति थे आपने जीवन में धर्म, चारित्र, समिति संयम ,तप आदि का उद्यम कर आत्मा को सार्थक किया। हमें भी उनकी आगम परंपरा पालन की शक्ति प्राप्त हो ऐसी भावना प्रगट की।यह मंगल देशना प्रातः कालीन सत्र में वात्सल्य वारिधी पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने दो दिवसीय विद्वत संगोष्ठी के अवसर पर प्रकट की।राजेश पंचोलिया और अनिल कंटान, सुमित दाखीया एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ सुनील संचय ललितपुर के अनुसार संगोष्ठी का शुभारंभ मूल नायक श्री आदिनाथ भगवान ,आचार्य श्री शांति सागर जी एवं पूवाचार्यों के चित्रों समक्ष आमंत्रित विद्वानों फूलचंद प्रेमी वाराणसी, जयकुमार मुजफ्फरनगर, जय कुमार उपाध्याय दिल्ली, नरेंद्र जैन टीकमगढ़ प्रमोद कुमार शास्त्री टोंक ने दीप प्रवज्जलन कर आचार्य श्री के चरण प्रक्षालन कर जिनवाणी भेंट की।आचार्य संघ सानिध्य में डॉ अनेकांत देहली, डॉ फूलचंद प्रेमी बनारस, पंडित श्रेयांश कुमार बड़ौत सहित अनेक वक्ताओं ने चयनित विषयों में आचार्य श्री शांति सागर जी का गुणानुवाद किया ।समाज के अमित छामुनिया एवं अंशुल बोरदा ने बताया कि प्रातः काल की बेला में कार्यक्रम की शुरूआत ध्वजारोहण कर्ता सुरेंद्र कुमार अनिल कुमार बाकलीवाल, सुरेंद्र गंगवाल, भरत की बड़जात्या गुवाहाटी एवं मंगल कलश स्थापना किशोर काला गुवाहाटी ने किया। समाज के प्रवक्ता पवन कंटान एवं विकास जागीदार ने बताया कि 25 अगस्त को चारित्र चक्रवर्ती 108आचार्य शांति सागर जी महाराज के समाधि दिवस पर श्री दिगंबर जैन नसिया में आचार्य शांति सागर जी महाराज की पूजन एवं शांति सागर मंडल विधान का आयोजन किया जाएगा। समाज के कमल सर्राफ एवं धर्मेंद्र पासरोटियां ने बताया कि 28 अगस्त से जैन धर्म के दशलक्षण महापर्व शुरू हो रहे हैं जिसके तहत इंद्र ध्वज महामंडल विधान का कार्यक्रम आयोजित होगा , जिसमें 458 अकृत्रिम जिन चैत्यालय एवं पांच पंचमेरु जी स्थापित होंगे जिनकी प्रतिदिन पूजा की जाएगी जो आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज के ससंघ सानिध्य में होगा ।जिसमें लगभग 300 लोग सम्मिलित होंगे।

वेद ज्ञान

मां की ममता

किसी ने सही कहा है कि हिमालय से ऊंची और सागर से गहरी होती है मां की ममता। मां जैसे पवित्र शब्द में समस्त ब्रह्मांड समाया है। मां जीवन की कड़ी धूप में भी संतान का साथ नहीं छोड़ती। वह कितनी भी कोमल और कमजोर क्यों न हो, परंतु जब अपने बच्चे को संकट में घिरा देखती है तो घायल शेरनी बन जाती है। मां के पल्लू में एक बच्चा खुद को अत्यंत सुरक्षित महसूस करता है। संतान को सुख व सुविधा प्रदान करने के लिए वह सब कुछ सहने को तैयार रही है। मनुष्य के जीवन में प्रथम गुरु उसकी मां ही होती है। मां ही उसे शिक्षा और संस्कार प्रदान करती है। कहते हैं कि वीर शिवाजी की प्रसिद्धि के पीछे मां जीजाबाई का बहुत बड़ा हाथ था। एक कथा के अनुसार बालक ध्रुव को आकाश में सर्वश्रेष्ठ तारे का पद माता सुनीति की प्रेरणा से ही प्राप्त हुआ था। संतान चाहे कितने भी ऊंचे स्थान पर प्रतिष्ठित हो, मां का पद उससे भी ऊंचा होता है। सांसारिक मोह माया से विरत महर्षि और ऋषियों द्वारा भी माता को अत्यंत सम्मान प्रदान किया गया है। मां के अंतिम संस्कार के लिए आदि शंकराचार्य का आना इसी सत्यता को प्रमाणित करता है। दया, करुणा, क्षमा और त्याग आदि गुणों की साक्षात प्रतिमूर्ति मां की महानता को चंद शब्दों में व्यक्त करना दुर्लभ है। एक बार ईश्वर ने मां से कहा, यदि मैं तुम्हारे स्वर्ग को तुमसे छीन लूं तो बदले में क्या मांगोगी? मां बोली, मैं अपने हाथों में ऐसी ताकत मांगूंगी, जो अपने संतान की तकदीर लिख सकूं। एक निष्ठुर व्यक्ति अपनी मां की हत्या करके उसका दिल लेकर जा रहा था, राह में पत्थर की ठोकर खाकर, गिरने ही वाला था कि मां के हृदय से आवाज आई बेटा संभल कर, कहीं तुम्हें चोट तो नहीं लगी? ऐसी होती है मां और उसकी ममता। आधुनिक युग में हम मदर्स डे मनाकर अपनी-अपनी मांओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं, परंतु मात्र एक विशेष दिन के स्थान पर हमारी भारतीय संस्कृति में प्रतिदिन माता-पिता से आशीर्वाद लेकर दिनचर्या प्रारंभ करने का विधान बताया गया है। ऐसा इसलिए, क्योंकि माता-पिता और गुरु को ईश्वर के समान माना गया है। भाग्यवान हैं वे, जिन्हें मां का आशीर्वाद प्राप्त है।

संपादकीय

ऑनलाइन मनी गेमिंग पर रोक का फैसला

यह एक हकीकत है कि ऑन लाइन मनी गेमिंग यदि लत बन जाए तो यह संपन्न व्यक्ति को भी बदहाल कर सकती है। एक आंकड़े के अनुसार देश में हर साल 45 करोड़ लोग बीस हजार करोड़ गवां देते हैं। सब कुछ गंवा कर आत्महत्या करने के मामले भी प्रकाश में आते हैं। सवाल इन लालच जगाने वाली मनी गेमिंग की पारदर्शिता को लेकर भी उठते रहे हैं। इन्हीं चिंताओं के बाद सरकार ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक 2025 लेकर आई है। जिसे अब गंभीर चर्चा के बिना संसद ने पारित भी कर दिया है। यह विधेयक पैसे से खेले जाने वाले किसी भी ऑनलाइन गेम को गैरकानूनी घोषित करता है। दरअसल, सरकार का मानना है कि ऑनलाइन मनी गेमिंग एक सामाजिक और जन स्वास्थ्य के लिये घातक समस्या है। सरकार के मुताबिक, वह ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेमिंग को बढ़ावा देने के लिये उत्सुक है, जिसमें कोई वित्तीय जोखिम न हो। निर्विवाद रूप से हाल के वर्षों में ऑनलाइन स्किल गेमिंग उद्योग ने तेजी से विस्तार किया है। जिसमें पूर्व और वर्तमान क्रिकेटरों और फिल्मी सितारों के प्रचार की भी भूमिका रही है। यहां उल्लेखनीय है कि ऑनलाइन गेमिंग का वार्षिक राजस्व 31,000 करोड़ रुपये से अधिक है। इसके साथ ही यह हर साल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के रूप में बीस हजार करोड़ रुपये से अधिक का योगदान देता है। लेकिन इसके साथ चिंता का विषय यह भी है कि सुनहरे सब्जबाग दिखाने वाले कई ऑनलाइन गेमिंग एप लत, खेलने वाले आम लोगों के आर्थिक नुकसान और मनी लॉन्ड्रिंग को भी बढ़ावा देते हैं। यही वजह है कि ऑनलाइन गेमिंग में अपनी जमा पूंजी लुटाने वाले बदकिस्मत उपयोगकर्ता नाकामी के बाद आत्महत्या तक करने को मजबूर हो जाते हैं। निस्संदेह सरकार ने ऑनलाइन मनी गेमिंग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाकर एक बड़ा जोखिम भी उठाया है। इसमें सरकार को राजस्व की भारी हानि भी हो सकती है। वहीं तसवीर का दूसरा पक्ष यह भी है कि कई उद्यमी तेजी से उभरते इस गेमिंग व्यवसाय के पराभव की चिंता जता रहे हैं। बताया जाता है कि देश में जो ग्यारह सौ से अधिक गेमिंग कंपनियां तथा करीब चार सौ स्टार्टअप ऑनलाइन गेमिंग उद्योग से जुड़े हैं, जिनके नियमन के बारे में सोचा जा सकता था। उनकी चिंता है कि इससे बड़ी संख्या में नौकरियां जा सकती हैं। लेकिन सरकार का कहना है कि उसने जनकल्याण को ध्यान में रखकर यह फैसला लिया है। लेकिन दूसरी ओर चिंता जतायी जा रही है कि ऑनलाइन मनी गेमिंग के वैध प्लेटफॉर्म बंद होने से खेलने वाले लोग अनियमित विदेशी ऑपरेटरों के शिकार बन सकते हैं। इंटरनेट का विस्तृत दायरा और विदेशी ऑनलाइन ऑपरेटर विधेयक के प्रमुख उद्देश्यों को विफल करने की कोशिश कर सकते हैं। निस्संदेह, वित्तीय प्रणालियों की अखंडता के साथ-साथ राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा होनी चाहिए। माना जा रहा है कि इस नये कानून को बनाने की जरूरत संभवतः छह हजार करोड़ रुपये वाले महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी घोटाले के बाद महसूस की गई। -**राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

मोटापे से मुसीबत

देश में जिस तेजी से मोटापा और उससे जनित रोगों का दायरा बढ़ा है, उससे यह एक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात जैसी स्थिति बनती जा रही है। जिससे मोटापा जनित गैर संक्रामक रोगों में भी तेजी से वृद्धि हो रही है। एक हालिया अध्ययन में इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च व विश्व स्वास्थ्य संगठन ने खुलासा किया है कि साल 2025 तक भारत की वयस्क आबादी में मोटापे की दर 20 से 23 फीसदी तक जा पहुंची है। जबकि वर्ष 1990 में देश यह दर महज नौ से दस प्रतिशत ही थी। चिंता की बात यह है कि महज तीन दशक में मोटापा बढ़ने की यह दर दो गुना हो चुकी है। यही वजह है कि शहरों में आजकल हर चौथा व्यक्ति मोटापे का शिकार दिखायी देता है। दरअसल, देश में जैसे-जैसे आर्थिक समृद्धि आई तो हमारी खान-पान की आदतों में बदलाव आया है। हमारे भोजन में डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ, अधिक शूगर वाले पेय पदार्थ और युवाओं में जंक फूड का उपभोग तेजी से बढ़ा है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि खाद्य तेलों का उपयोग भी बहुत तेज गति से बढ़ा है। आर्थिक विकास से समृद्धि आई तो हमारा खानपान समृद्ध हुआ,लेकिन वहीं शारीरिक निष्क्रियता भी बढ़ी है। दरअसल, खाद्य तेलों का बेतहाशा उपयोग भी मोटापे की वजह बना है। देश में नब्बे के दशक में जहां प्रति व्यक्ति तेल की औसतन खपत साढ़े तीन से चार लीटर थी, जो अब करीब बीस लीटर सालाना हो गई है। यानी चिंताजनक स्थिति तक पहुंचकर पांच गुना हो गई है। अब मोटापे की समस्या से शहर ही नहीं, ग्रामीण जीवन भी प्रभावित हो रहा है। बीती सदी में ऐसा देखने में नहीं आता है। दरअसल, इस सदी की शुरूआत में आई आर्थिक समृद्धि ने न केवल हमारी खानपान की आदतें बदली, बल्कि वाहनों के अधिक उपयोग व आरामदायक जीवनशैली ने हमारी शारीरिक सक्रियता भी कम कर दी। जो मोटापे की एक बड़ी वजह बना। देश में मोटापे की समस्या किस हद तक पहुंच चुकी है और उससे गैर संक्रामक रोग कितनी तेजी से बढ़ रहे हैं, उसको लेकर कई सार्वजनिक मंचों से प्रधानमंत्री देश को संबोधित कर चुके हैं। स्वतंत्रता दिवस पर उन्होंने देश में गति पकड़ते मोटापे पर गंभीर चिंता जतायी। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर भी वे मोटापे से मुक्त जीवन के लिये लाइफ स्टाइल में बदलाव की बात कह चुके हैं। उन्होंने खाद्य तेलों के उपयोग में कमी लाने की भी बात कही। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी कह चुका है कि पांच-छह सौ एमएल से अधिक खाद्य तेल का सेवन मोटापे, उच्च रक्तचाप, दिल के रोग और डायबिटीज के खतरे को बढ़ा सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कह रहे हैं कि खानपान की आदतों में सुधार और शारीरिक सक्रियता बढ़ाने से हम मोटापा कम कर सकते हैं। नियमित व्यायाम व योग-प्राणायाम इसमें खासे मददगार हैं। यहां संकट हमारी जीवन शैली में आये बदलावों का भी है, जिसमें हम देर रात को अधिक गरिष्ठ भोजन करते हैं। देर से सोना और देर से जागना अब आम बात हो चली है। तेजी से होते शहरीकरण, आफिसों में देर तक काम करने, शारीरिक सक्रियता में कमी तथा देर रात तक सोशल मीडिया में उलझे रहने से भी नींद की कमी ने जीवन में तनाव को बढ़ाया है। यह तनाव हमारी खानपान की आदतों को बुरी तरह प्रभावित करके मोटापे को बढ़ाता है। यही वजह है कि एक बहुचर्चित मेडिकल पत्रिका ने चेताया है कि भारत में 2050 तक पैंतालीस करोड़ युवा मोटापे की चपेट में आ सकते हैं। इस समस्या का एक पहलू यह भी है कि सोशल मीडिया पर मोटापा कम करने के नीम-हकीमी नुस्खों की भरमार आई है। हर दूसरा आदमी मोटापा कम करने के तरीके बताता नजर आता है।

जीव सम्यक दर्शन ज्ञान चारित्र से युक्त होने पर ही आत्मा का होता है उत्थानः आचार्य विनीत सागर

डीग. शाबाश इंडिया

श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर डीग में चल रहे चातुर्मास के अंतर्गत रविवार को आयोजित धर्मसभा में आचार्य श्री विनीत सागर महाराज ने सम्यक चरित्र के महत्व पर प्रकाश डाला। आचार्य श्री ने कहा कि मनुष्य जीवन केवल भोगविलास के लिए प्राप्त नहीं हुआ है। बल्कि यह आत्मकल्याण और मोक्षमार्ग की साधना के लिए वरदानस्वरूप है। जीव जब सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चरित्र से संयुक्त होता है, तभी उसकी आत्मा का सच्चा उत्थान होता है। सम्यक चरित्र आत्मा की आभा है, वह साधक को भीतर से पवित्र करता है और उसे राग-द्वेष से मुक्त कर शुद्धि की ओर अग्रसर करता है। उन्होंने कहा कि चातुर्मास साधकों के लिए आत्मसंयम और साधना का विशेष काल है। इस अवधि में शील, तप, स्वाध्याय और विनय के गुणों का विशेष अभ्यास करना चाहिए। सम्यकता के बिना किया गया आचरण केवल बाहरी स्वरूप रह जाता है। परन्तु जब आचरण में आंतरिक शुद्धि जुड़ जाती है, तभी आत्मा का कल्याण संभव है। तपस्या का माप शरीर नहीं, बल्कि मन की निर्मलता है। आचार्य श्री ने उपस्थित लोगों को प्रेरित करते हुए कहा कि धर्म की सार्थकता त्याग में है, और त्याग की परिणति आत्मबल में। क्रोध, मान, माया और लोभ से दूर रहकर यदि साधक सम्यक आचरण का अभ्यास करता है, तो वह अपने भीतर अनंत सुख और शांति का अनुभव कर सकता है। उन्होंने कहा जिनका चरित्र शुद्ध है वही सच्चे साधक हैं और वही समाज के लिए मार्गदर्शक बनते हैं।

रविवारीय पूजा में बच्चों ने दशलक्षण पर्व का महत्व जाना

डडूका. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन पाठशाला डडूका जो वर्ष 1955से संस्कारों की पाठशाला बन 6पीढ़ियों में उच्च शिक्षा एवं धार्मिक संस्कार प्रत्यारोपित कर चुकी है । इस वर्ष दशलक्षण पर्व 2025के लिए मुस्तैदी से जुटी हुई है। पाठशाला प्रेरकों अजीत कोठिया, धनपाल शाह एवं मनोज शाह के निर्देशन में बच्चों की टीम दशलक्षण आयोजनों की तैयारियों में लग चुकी है। इस वर्ष ये महान धार्मिक आयोजन 28अगस्त से प्रारंभ होकर 6सितंबर तक चलेंगे। रविवारीय पूजा से पूर्व पाठशाला के बच्चों ने पार्श्वनाथ भगवान का जलाभिषेक किया और जिनालय की प्रतिमाओं के दशलक्षण पूर्व मार्जन कार्य में सहयोग किया। रविवारीय पूजा में बच्चों को पाठशाला प्रेरक अजीत कोठिया ने समुच्चय पूजा सस्वर संपन्न करा दशधर्मों संबंधी जानकारी दी। रियल जैन, कल्प जैन, सिद्धम जैन, चर्या जैन, संचित जैन, मिष्ठी जैन, माही जैन, मानवी जैन, हर्षल जैन, दिव्य जैन,सांची जैन , देवर्ष जैन, भाग्य जैन, जियाना जैन सहित 15 बच्चों ने रविवारीय पूजा में हिस्सा लिया।

सच्चे देव, शास्त्र, गुरु में श्रद्धा रखने से ही जीवन की दशा और दिशा बदलती है: क्षुल्लिका सुतथ्यमति माताजी

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे में विराजमान आर्यिका सुरम्यमति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में पार्श्वनाथ चैत्यालय में अभिषेक, शांतिधारा, अष्ट द्रव्यों से पूजा अर्चना करने के बाद सामूहिक रूप से जयकारो के साथ क्षुल्लिका सुतथ्यमति माताजी को मंगलमय प्रवचन हेतु श्रीफल भेंट कर निवेदन किया कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने बताया कि पावन चातुर्मास में नियमित प्रवचन श्रृंखला की कड़ी क्षुल्लिका सुतथ्यमति माताजी ने अपनी मंगलमयी वाणी से श्रृद्धालुओं को देव, शास्त्र, गुरु के प्रति विश्वास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मनुष्य को अपने जीवन में सच्चे, देव, शास्त्र गुरु पर श्रद्धा रखनी चाहिए, यदि हम सच्चे मन से देव, शास्त्र ,गुरु में विश्वास रखते हैं तो बड़े से बड़ा संकट और बढी से बढी बीमारी दूर हो जाती है, उन्होंने अपने जीवन का उदाहरण देते हुए बताया कि उनके स्वयं कैंसर था लेकिन उन्होंने सच्चे गुरु में विश्वास रखा तो उनका कैंसर जैसा रोग दूर हो गया,उन्होंने कहा कि मानव जीवन की नींव देव ,शास्त्र और गुरु के प्रति सच्ची श्रद्धा पर टिकी होती है, और बताया कि इस दुर्लभ मानव जीवन को व्यर्थ नहीं करना चाहिए, सच्चे देव ,शास्त्र ,गुरु में श्रद्धा रखने से ही जीवन की दशा और दिशा बदलती है, और उसके जीवन कल्याण हो जाता है, उन्होंने यह भी कहा कि यह मानव जीवन बहुत दुर्लभ है और इसे विषय भोगों में नष्ट नहीं करना चाहिए, उन्होंने कहा कि देव,शास्त्र,गुरु की शरण में जाकर उनकी विधि पूर्वक पूजा, आराधना करके जीवन को सफल बनाया जा सकता है।

-राजाबाबू गोधा जैन महासभा मिडिया प्रवक्ता राजस्थान

भीलवाड़ा की सुनीता जागेटिया मेघ मल्हार में विजेता, काव्य कुमुद की उपाधि प्रदान

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। वस्त्रनगरी भीलवाड़ा की साहित्यकार व कवियत्री सुनीता जागेटिया ने इंदौर में मेघदूत साहित्यक संस्था की ओर से आयोजित तृतीय वार्षिक प्रतियोगिता ''मेघ मल्हार'' में विजेता बनकर काव्य कुमुद उपाधि प्राप्त की है। करीब दो माह चलने वाली इस प्रतियोगिता के पांच लिखित चरण क्रमशः मुक्तछंद,छंदबद्ध,गजल, लघुकथा व संस्मरण में से चार चरण जीत कर एवं मंचीय प्रस्तुति में भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ये खिताब हासिल करने में सफलता प्राप्त की। इस प्रतियोगिता में देश विदेश के साठ साहित्यकारों व रचनाकारों ने भाग लिया था। साहित्यक दृष्टि से महत्वपूर्ण इस आयोजन में वरिष्ठ साहित्यकार राजेश्वर वशिष्ठ,गजलकार महेश शर्मा, अबरार, छंदकार अमरनाथ अग्रवाल, महेश बिसौरिया, पंडित संजीव शर्मा, रमेश विनोदी, रीना धिमान जैसे कई दिग्गजों ने उपस्थिति दर्ज कराई थी। भीलवाड़ा की साहित्यक प्रतिभा सुनीता जागेटिया की इस उपलब्धि पर शहर साहित्यकारों व उनके परिचितों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

जैन भवन काठमांडू में अखण्ड णमोकार महामंत्र जाप हर्षोउल्लास के साथ सम्पन्न

काठमांडू, नेपाल. शाबाश इंडिया

जैन धर्म और जैन समाज की प्रभावना के लिए कटिबद्ध संस्था सामूहिक जिनेन्द्र आराधना संस्था नेपाल शाखा के संयोजन में जैन भवन काठमांडू में अखण्ड णमोकार महामंत्र का जाप भव्य रुप से आयोजन किया गया। नेपाल शाखा के अध्यक्ष सुभाष-अनिता जैन सेठी ने बताया कि अखण्ड जाप रात्रि में 7 बजे से प्रारम्भ होकर सुबह 6 बजे तक हर्षो उल्लाश के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य समन्वयक प्रसन्न बैद नवरंग नाहटा, अशोक कुमार बोथरा, समन्वयक - राजेश लुणावत, मालचन्द लूनिया, अशोक दुगड़, सुमित जैन, सुशील लूनिया संयोजक-जितेंद्र लूनिया, राजेश काला, विनोद चोरड़िया, सुमित सुराणा, सह संयोजक - गौरव बांठिया, सौरभ लूनिया, बजरंग पुगलिया, राहुल संचेती,अंकित सरावगी आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पूरा सहयोग प्रदान किया। जाप कार्यकर्म में जैन समाज की उल्लेखनिय संख्या में सहभागिता रही। सभी ने उत्साह और उमंग के साथ जोर शोर से णमोकार के पाठ किए। मध्य रात्रि में जाप को सुव्यवस्थित तरीके से सम्पन्न करने के लिए एक विशेष टीम बनाई गई जिन्होंने बढ़ चढ़कर जाप में पूर्ण सहभागिता दर्ज कराई। कार्यक्रम में गणमान्य व्यक्तियों में नेपाल जैन परिषद के अध्यक्ष बिमल चन्द राखेचा, निवर्तमान अध्यक्ष महेंद्र कुमार भटेरा,नेपाल स्तरीय जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा के अध्यक्ष दिनेश कुमार नौलखा, जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा के अध्यक्ष शुभाग मल जम्मड, निवर्तमान अध्यक्ष महावीर सिंह संचेती ,पूर्व अध्यक्ष सुशील कुमार छाजेड़, तेरापंथ युवक परिषद के निवर्तमान अध्यक्ष संदीप भटेरा, सरदार शहर परिषद के अध्यक्ष कन्हैया लाल सुराणा,तेरापंथ प्रोफेशनल फोर्म के अध्यक्ष विवेक तातेड, दिगंबर जैन मन्दिर व्यवस्था कमेटी के अध्यक्ष सुभाष जैन सेठी, मूर्ति पूजक समाज के अध्यक्ष विमल चन्द राखेचा, श्रीचंद बेगवानी, महावीर प्रसाद काला ,नवरंग नाहटा ,पवन जैन, प्रकाश दुगड़ ,रमेश कुमार नौलखा, ललित नाहटा , रणजीत गिडिया, नवरत्न मल चिण्डालिया, पवन सेठिया, कमल सिंह भंसाली, प्रवीण नौलखा, जितेन्द्र लूनिया,राजेन्द्र बोथरा, कालूराम दुगड़ एवं रमेश लूनिया आदि की उपस्थिति रही।

वैश्य महासम्मेलन की बैठक में अंबाह के भरत जैन चीकू बने युवा अध्यक्ष

अंबाह. शाबाश इंडिया

वैश्य महासम्मेलन की जिला स्तरीय बैठक मुरैना में भव्य आयोजन के बीच संपन्न हुई। इस अवसर पर अंबाह से जुड़े प्रतिनिधि भरत जैन चीकू को युवा अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस नियुक्ति के साथ अंबाह क्षेत्र के समाजसेवियों में हर्ष और उत्साह की लहर दौड़ गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री एवं महासम्मेलन के संरक्षक उमाशंकर गुप्ता मौजूद रहे। साथ ही मध्य प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल, राजकुमार गुप्ता और सतीश अग्रवाल मंच पर विराजमान रहे। सभी वक्ताओं ने संगठन की मजबूती और समाज में शिक्षा, सेवा और संस्कार के प्रसार की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। अंबाह से संरक्षक बच्चूलाल गुप्ता, अध्यक्ष विजय गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष आनंद गुप्ता, उपाध्यक्ष विमल जैन राजू और हरेंद्र गुप्ता, प्रचार-प्रसार मंत्री दिनेश गुप्ता, तथा छोटू अग्रवाल विशेष रूप से मौजूद रहे। इनके साथ कई वरिष्ठ पदाधिकारी व कार्यकर्ता भी बैठक में शामिल हुए। कार्यक्रम में नवनियुक्त भरत जैन चीकू का पुष्पगुच्छ और माला पहनाकर स्वागत किया गया। उपस्थित लोगों ने एकजुट होकर समाजहित के लिए काम करने का संकल्प लिया। इस दौरान पूरे हॉल में ''वैश्य महासम्मेलन जिंदाबाद'' के नारों से गूंज उठी। अंबाह से मिले इस सम्मान ने स्थानीय समाज में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया है। लोगों ने नवनियुक्त युवा अध्यक्ष को शुभकामनाएं दीं और विश्वास जताया कि वे समाज की प्रगति, एकता और सेवा के पथ पर नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे।

जैनत्व उपनयन संस्कार शिविर-400 से अधिक बच्चों ने ली सन्मार्ग पर चलने की प्रतिज्ञा

जयपुर. शाबाश इंडिया

24 अगस्त - वह बच्चे धन्य है, जिनके आज संस्कार लेने के परिणाम हुए हैं। आज के संस्कार इन बच्चों की विशुद्ध बढ़ाएगी और आगे चलकर मोक्ष मार्ग को खोलेगी। ये उदगार कीर्ति नगर स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में चातुर्मासरत पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज के शिष्य श्रुत संवेगी महाश्रमण आदित्य सागर महाराज ने रविवार को टौक रोड़ स्थित मुंशी महल गार्डन में आयोजित जैनत्व उपनयन संस्कार के अवसर पर धर्म सभा में व्यक्त किये। मुनि श्री ने आगे कहा कि जिन बच्चों के आज संस्कार होंगे, वह बच्चे निश्चित ही आगे चलकर मुनि धर्म का पालन कर आत्म कल्याण करेंगे क्योंकि जो उम्र बाहर खेलने कूदने की होती है उस समय यह बच्चे अपने गुरु से सन्मार्ग पर चलने का संस्कार ले रहे हैं। संसार के भटकाव से बचने का केवल एक ही उपाय है वह है संस्कार। जिन्होंने संस्कार ले लिया उनका संसार से परिभ्रमण निश्चित ही रुकेगा। मुनि श्री ने कहा कि संस्कारों से भावों में विशुद्ध आएगी, जो नियम में रहते हैं वह गलत काम नहीं कर सकते और उनका जीवन हमेशा खुशहाली में बना रहेगा। संसार में रहकर भी वह फूलों की तरह महकेंगे। मुनि श्री ने कहा कि अगर अच्छे से जीवन जीना है तो संस्कारित होना होगा। पढ़ाई करने के लिए बच्चे बाहर जाते हैं और वह ढाई अक्षर प्रेम का पाठ पढ़कर आत्मा की जगह भूल जाते हैं । उन्हें संस्कारी होने की अत्यंत आवश्यकता है। जब हमारा बेटा संस्कारी होगा तो एक कुल को महकाएगा और जब बेटी संस्कारी होगी तो वह दोनों कुलों को महकाएगी। अध्यक्ष प्रेम कुमार जैन एवं महामंत्री जगदीश जैन ने बताया कि गुलाबी नगरी में प्रथम बार आदित्य सागर महाराज के सानिध्य में आयोजित जैनत्व उपनयन संस्कार शिविर में 400 से अधिक बालक- बालिकाओं ने भाग लिया। सभी लड़कों ने मुंडन कराया हुआ था। इस मौके पर समाज श्रेष्ठी अशोक जैन नेता - अल्का गोधा ने मुनि आदित्य सागर के पाद पक्षालन किये। मुनि भक्त कुशल - मधु ठोलिया ने जिनवाणी भेंट की। राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा एवं समाजसेवी निर्मल सोगानी ने श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

जैन बैंकर्स द्वारा वृक्षारोपण किया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर व अखिल भारतीय पुलक जन चेतना मंच, मानसरोवर, जयपुर संभाग के संयुक्त तत्वावधान मे पारस विहार स्थित श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर परिसर व आसपास स्थित नव निर्मित कॉलोनी में ऑक्सीजन युक्त, फलदार, औषधि वाले आदि सभी उपयोगी 6- 7 फीट ऊंचाई वाले पौधे रोपित कर प्रकृति व पर्यावरण संरक्षण का कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान रिमझिम बरसात जारी रही। प्रतिकूल मौसम के बावजूद सदस्यों का उत्साह देखने लायक था। यह जैन बैंकर्स का इस वर्षाकाल का तृतीय कार्यक्रम था। आगामी दो कार्यक्रम रघुविहार एवं बिजैलाल पांड्या की नसियां में प्रस्तावित है। इस कार्यक्रम के लिए जैन मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पवन गोदिका एवं टीम का पूर्ण सहयोग रहा एवं गोदिका को समाज के प्रति समर्पण भावना के लिए उन्हें सम्मान पत्र भेट किया गया। अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम से मुख्य समन्वयक सुनील काला सचिव, तेजकरण चौधरी, हेमराज बिलाला, राजीव पांड्या, दिनेश चांदवाड़ एवं पुलक मंच परिवार मानसरोवर से अजय जैन, विजय कुमार जैन, महिला मंच से श्रीमती सुमन जैन, श्रीमति रेणु जैन के अलावा अन्य संस्थाओ के सदस्यों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम का संयोजन एसबीआई के अशोक कुमार जैन खेरली व अशोक कुमार मित्तल ने सुगमतापूर्वक किया।

इस कार्यक्रम के लिए जैन मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पवन गोदिका एवं टीम का पूर्ण सहयोग रहा

अभिलाषा क्लब ने मनाया नन्दोत्सव, अपने अभिनय से प्रस्तुत की कृष्ण लीला

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। महिलाओं द्वारा संचालित 'अभिलाषा क्लब' द्वारा नन्द उत्सव का आयोजन भक्तिपूर्ण रूप से हर्षोल्लास के साथ किया गया। अध्यक्ष प्रियंका गुप्ता एवं सचिव विनीता राठी ने बताया कि कान्हा के जन्म पर सभी को बधाइयां बाटी गई नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की जैसे भजनों पर सभी महिलाओं ने शानदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में क्लब की महिलाएं कृष्ण, यशोदा मैया और गोपियों का रूप धारण करके भाग लिया और अपने अभिनय से कान्हा की बाल लीलाओं का चित्रण किया। सुनीता सोनी द्वारा नंद बाबा का रूप बहुत ही मनमोहक रहा। कार्यक्रम के अंत में बोर्ड मेंबर्स लीना जैन, उषा जैन, रानू मेहता मोनिका जैन, चारु खंडेलवाल, गगनदीप कौर, सपना मेहता और रेनू गोयल द्वारा मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी गई।

जयपुर के यात्री दल ने किए नेमिनाथ जन्म स्थल शौरीपुर बटेश्वर तीर्थ क्षेत्र के दर्शन

शौरीपुर यू. पी.. शाबाश इंडिया

जयपुर से गए यात्री दल ने यात्रा के प्रथम दिन शनिवार को जैन धर्म के बाईसवे तीर्थंकर 1008 नेमीनाथ की जन्म स्थली शौरीपुर बटेश्वर तीर्थ क्षेत्र के भक्ति भाव के साथ दर्शन किए । यात्री दल के श्रेष्ठी पदम जैन बिलाला व ओम प्रकाश काला ने बताया कि विद्वान शिखर चंद जैन ने यात्रियों को इस अतिशय क्षेत्र के बारे में विस्तृत समझाया । शौरीपुर में पहाड़ी पर नेमिनाथ की बहुत ही मोहक खड़गाशन प्रतिमा है तथा नीचे मंदिर में दूसरे तीर्थंकर अजीत नाथ मूल नायक है तथा एक ठंडी एवं एक गर्म गुफा है जिनमे पद चिह्न स्थापित है । मूल नायक अजीत नाथ की प्रतिमा के वक्ष स्थल व पेट को ध्यान से देखने पर लगता है कि पद्मासन प्रतिमा में एक और पद्मासन प्रतिमा नजर आती है। यात्री दल में राजेन्द्र ठोलिया , तारा चंद गोधा , सोभाग अजमेरा, महेश काला , सुभाष पहाड़िया, राकेश ठोलिया, प्रकाश गंगवाल के अलावा किरण जैन , पुष्पा बिलाला, उर्मिला , छाया ठोलिया, आशा शाह, बीना गंगवाल शामिल है । यात्री दल रविवार को अहिक्षेत्र पार्श्वनाथ की यात्रा करेगा ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

जैन मिलन महिला वर्धमान का भक्तामर पाठ एवं मासिक बैठक सम्पन्न

दश लक्षण पर्व के संदर्भ में हुई विशेष चर्चा

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना. शाबाश इंडिया। जैन मिलन महिला वर्धमान शाखा मुरैना की बैठक एवं भक्तामर पाठ का आयोजन हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न हुआ। सर्व प्रथम जैन मिलन महिला सदस्यों ने भगवान महावीर स्वामी की प्रार्थना और स्तुति की। उसके पश्चात अत्यंत ही श्रद्धा और भक्ति के साथ सामूहिक रूप में भक्तामर का पाठ का वाचन और आरती की गई । महिला शाखा की सभी सदस्य पर्युषण पर्व थीम पर तैयार होकर आई थी । भक्तामर पाठ एवं आरती के बाद सभी ने धार्मिक हाऊजी गेम खेले। पर्युषण पर्व की थीम पर सभी सदस्याएं मैना सुंदरी, सुर सुंदरी, श्रीपाल, चंदनबाला, सोमवती, मां त्रिशला, इंद्र- इन्दाणी, श्रावक -श्राविका के स्वरूप में तैयार होकर आईं थी । सभी सदस्यों ने पर्यूषण पर्व के संदर्भ में विस्तृत चर्चा कर रुपरेखा तैयार की। इस अवसर पर क्षेत्रीय सहकोषाध्यक्ष वीरांगना सरिता जैन, करुणा जैन, अध्यक्ष सुप्रिया जैन, सचिव अंजलि जैन, रीना जैन, दीपिका जैन, दीपाली जैन, अंजना जैन, बबिता जैन, आरती जैन, वन्दना जैन सहित सभी सदस्य उपस्थित थीं।

ब्यावर में गुरु-चरण विराजमान महोत्सव का भव्य आयोजन

ब्यावर. शाबाश इंडया

श्री दिगंबर जैन पंचायती नसियाँ में आज संत शिरोमणि आचार्य 108 श्री विद्यासागर जी महामुनिराज की चरण छत्री में चरण कमल विराजमान महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर पूज्य आचार्य श्री के चरण कमल को उनकी चरण छत्री में स्थापित किया गया। समाज के प्रवक्ता अमित गोधा ने बताया कि आज कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह श्री दिगंबर जैन पंचायती नसियाँ में हुआ जहाँ चंद्रप्रभु भगवान का का रजत कलशों से अभिषेक श्रावकों द्वारा किया गया है इसके बाद विद्या गुरु विधान पूजन प्रारंभ हुई। पूजन के उपरांत वीर कुमार कमल कुमार सन्मति राँवका परिवार द्वारा संत शिरोमणि आचार्य 108 श्री विद्यासागर जी महामुनिराज के चरण कमल को उनकी चरण छत्री में विराजमान किया गया। इस दौरान पंडित श्री घनश्यामदास जी के सानिध्य में और संगीतकार अंकित जैन पाटनी, अजमेर के मधुर संगीत के बीच यह कार्य सम्पन्न हुआ। इस पूरे विधान और उसके बाद आयोजित वात्सल्य भोज के प्रायोजक रावंका परिवार थे। इस पुण्य अवसर पर सकल जैन समाज के बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने उपस्थित होकर सातिशय पुण्य अर्जित किया। इस अवसर पर श्री दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष अशोक काला, मंत्री दिनेश अजमेरा, विजय फागीवाला, लादुलाल जी गंगवाल, सुमन धगडा, राजकुमार पहाड़िया, जम्बूकुमार रावका, चन्द्रप्रकाश गोधा, शशिकांत गदिया, अमित गोधा, संजय रावका, संजय गंगवाल, वीरेंद्र गोधा, अक्षत कटारिया, अतुल पाटनी, आशीष बाकलीवाल, संदीप पाटनी, कमल जैन, कल्पेश जैन, नवीन बाकलीवाल, प्रवीण गोधा, प्रमोद रांवका, चंद्रेश रांवका, उज्ज्वल काला, मनोज सोगानी, सुशील बडजात्या, श्रीपाल अजमेरा, राहुल गदिया, मनोज कासलीवाल, मोहित जैन उपस्थित रहे।

"सत्त्व कथक उत्सव"

जयपुर. शाबाश इंडिया

कलावर्त प्रेरणा श्रीमाली कथक केंद्र, जयपुर द्वारा आयोजित 'सत्त्व कथक उत्सव' ने महाराणा प्रताप सभागार, जयपुर में शास्त्रीय नृत्य प्रेमियों को एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान किया। यह विशेष संध्या कथक के शुद्ध, पारंपरिक और सात्त्विक स्वरूप की गहन प्रस्तुति रही, जिसने दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम की शुरूआत गुरु प्रेरणा श्रीमाली जी द्वारा रचित गणेश परण की सधी हुई पढ़ंत और तुलसीदास रचित राम स्तुति से हुई, जिसने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। इसके बाद क्रमशः

तीनताल विलंबित में मनीषा गुलयानी और मनस्विनी शर्मा का प्रभावशाली युगल,
ताल धमार में मनस्विनी शर्मा का सशक्त एकल,
राग मालकौंस में तराना पर मीना रेड्डी और बृजकिशोर सक्सेना का मोहक युगल,
तथा अभिनय ठुमरी और तीनताल द्रुत लय में मनीषा गुलयानी का ऊजार्वान एकल प्रदर्शन,

ने मंच को अद्वितीय ऊर्जा से भर दिया। अंत में सभी कलाकारों द्वारा प्रस्तुत अतिद्रुत तत्कार ने पूरे सभागार में जोश और उत्साह का वातावरण बना दिया। इस संध्या में प्रस्तुत तराना महान गुरु कुंदनलाल गंगानी द्वारा रचित था, जबकि अभिनय ठुमरी पारंपरिक रचना ''छाड़ो छाड़ो जी बिहारी, नारी देखे सगरी'' पर आधारित रही। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में साहित्यकार श्री अशोक वाजपेयी जी ने अपने विचार साझा किए, जिन्होंने कथक की शास्त्रीयता, उसकी गहराई और समय की प्रासंगिकता पर प्रभावशाली विमर्श प्रस्तुत किया। संध्या की गरिमा को तबला पर परमेश्वर कथक, पखावज पर प्रवीण आर्य, सितार पर मोहम्मद इरफान, और गायन व नगमा में मुन्नालाल भाट की संगत ने और भी ऊँचाई प्रदान की। कलावर्त, पिछले साढ़े तीन वर्षों से गुरु प्रेरणा श्रीमाली जी के मार्गदर्शन में, जयपुर में कथक की शास्त्रीय परंपरा, उसके संरक्षण और प्रचार-प्रसार के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। 'सत्त्व कथक उत्सव' इस सतत साधना और सृजनशीलता का प्रतीक बनकर सामने आया है, जिसमें गुरू-शिष्य परंपरा की आत्मा को सजीव रूप में मंच पर उतारा गया।

अथाई इंटरनेशनल साहित्यिक ग्रुप का राष्ट्रीय अधिवेशन

उदयपुर. शाबाश इंडिया

अथाई इंटरनेशनल साहित्यिक ग्रुप एवं समन्वयवाणी फाउंडेशन जयपुर का तृतीय राष्ट्रीय अधिवेशन राजस्थान की झीलों की नगरी उदयपुर के डबोक स्थित शाश्वत धाम में दिनांक 23 अगस्त 2025 शनिवार को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह के अध्यक्षता अर्जुन सिंह चंदेल संपादक दैनिक पत्रिका उज्जैन ने की। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजीव जैन संपादक राजस्थान पत्रिका उदयपुर, विशिष्ट अतिथि श्री ताराचंद जैन विधायक उदयपुर शहर, व साहित्यकार श्रीमती शकुंतला सरुपरिया स्वागताध्यक्ष श्री किशोर भाई भंडारी-पुणे थे। मंचासीन अतिथियों में संगठन के संस्थापक व निदेशक डा.अखिल बंसल ,श्री जिनेन्द्र शास्त्री भाजपा आपदा राहत विभाग प्रदेश संयोजक, डॉक्टर श्री महावीर प्रसाद जैन मंत्री शाश्वत धाम तथा भारतवर्ष के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों से पधारे हुए साहित्यकारों, कवियों तथा रचनाकारों को मारवाड़ी साफा व दुपट्टा पहना कर एवं स्मृति सिन्ह, प्रशस्ति पत्र तथा पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया।

सामूहिक दया व्रत के साथ मनाया गया पर्युषण का पंचम दिवस

पर्युषण सोई हुई आत्मा को जाग्रत करता है: उपप्रवर्तिनी विजयप्रभा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व का पंचम दिवस रविवार को शांतिभवन में सामूहिक दया व्रत और विविध धार्मिक कार्यक्रमों के साथ श्रद्धा एवं उत्साहपूर्वक मनाया गया। विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तिनी विजयप्रभा ने कहा कि पर्युषण हमारी सोई हुई आत्मा को जाग्रत कर कर्मरूपी मैल को दूर करता है और आत्मा को निर्मल और पवित्र बनाता है। उन्होंने कहा कि संसार में अनेक त्योहार मनाए जाते हैं, किंतु आत्मा की शुद्धि और कर्मों की निर्जरा कराने वाला एकमात्र पर्व पर्युषण है। यही पर्व मनुष्य को अपने मानव जीवन को सफल बनाने का मार्ग दिखाता है और आत्मा को मोक्ष गति की ओर ले जाने की प्रेरणा देता है। जब तक संपूर्ण कर्म क्षय नहीं होते, तब तक आत्मा पूर्णतः शुद्ध और पावन नहीं बन सकती। महासती विद्याश्री, साध्वी हर्षश्री एवं साध्वी जयश्री ने कहा कि इंद्रियों पर विजय पा लेने वाला व्यक्ति वास्तव में संसार पर विजय प्राप्त कर सकता है। इंद्रियों पर नियंत्रण ही आत्मा की विजय है, जो इंसान को सांसारिक बंधनों से मुक्त करती है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति इंद्रियों का दास बन जाता है, वह दुःख भोगता है, जबकि जो उन पर संयम कर लेता है, वह जीवन को सार्थक बनाकर भौतिक एवं मानसिक प्रलोभनों से ऊपर उठ जाता है। शांतिभवन मंत्री नवरतनमल भलावत ने बताया कि पांचवें दिन आयोजित सामूहिक दया व्रत में 400 से अधिक श्रावक - श्राविकाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर 30 उपवास, 10 उपवास, 7 उपवास और 5 उपवास करने वाले भाइयों-बहनों ने महासती विजयप्रभा से प्रत्याख्यान लिए। धर्मसभा मे शांतिभवन के संरक्षक नवरतन मल बंब, अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद चीपड़, चातुर्मास समिति के संयोजक कंवरलाल सूरिया, मीठ्ठा लाल सिंघवी, ललित बाबेल, आनंद चपलोत, पंकज लालानी, मनोहरलाल सूर्या, अप्रित चौधरी, विनोद डांगी, अनुराग नाहर, पंकज मेड़तवाल, मुकेश मेड़तवाल, पंकज सूरिया तथा शांति जैन महिला मंडल की अध्यक्ष मीनाक्षी डागा, मंत्री गरिमा रांका, चंदा कोठारी, अंजू चपलोत, सिम्मी पोखरना, संतोष सिंघवी और मंजू खटवड़ सहित बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाओं की उपस्थिति रही। इस दौरान भगवान महावीर के जन्म कल्याणक प्रसंग का मंचन किया गया, जिसमें सैकड़ों महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया ओर भगवान महावीर के जन्म का मंचन किया गया।

-प्रवक्ता निलिप्का जैन

EnactraX MASTER YOUR SKILLS
A Venture of Pragya
SPECTA QUARTZ SURFACES
A unit of ARL Infratech Ltd.
PRESENTS & POWERED BY
WONDER CEMENT FARQ NAZAR AAYEGA
SHRAMAN SHRUT SEVA SANSTHAN
Co-Powered By
JEPEE
ROTARY CLUB JAIPUR CITIZEN
Co-Powered By
MARUTI CASTINGS
30 HOURS NON-STOP SPEECH
THE BIGGEST OPPORTUNITY OF YOUR LIFE
9H
LISTEN FOR 9 HOURS
★ MAKE WORLD RECORD
SAURABH JAIN
MOTIVATIONAL SPEAKER
Sunday, 9th Nov. 2025
TIME: 8:00 AM (9th Nov) 2:00 PM (10th Nov)
VENUE: BIRLA AUDITORIUM STATUE CIRCLE, JAIPUR.
: 9376-115577, 70731- 88666
Missed Call For Registration
+91 9588838868
: https://l1nq.com/saurabh
In Association With
ETHNIC COTLER
Readiprint
NAV
Vandanam Group (Real Estate)
M.S. Jewellers
cityvibes
Vivek-Asha Kala प्रमुख समाज सेवी
KLEVER KITCHENS
K M Trans Logistics Pvt Ltd
FLO
The Pine Gallery
Kogta FOUNDATION
ANANTARA
JEEVAN REKHA SUPERSPECIALITY
Jyoti Kumar-Indu Maheshvari प्रमुख समाज सेवी
USHA TEXTILE
For More Info.
Supported By
Shree Jain Roadways
Thaper DENTAL CLINIC
ASHMITA JAINN
ocean home
GLORY
SAFARI GROUP
lawline

प्रेम ही है परमात्मा तक पहुंचने का सेतु: युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी

पनवेल. शाबाश इंडिया

पर्वाधिराज पर्युषण महा पर्व के चौथे दिन शनिवार को जैन स्थानक में आयोजित विशाल धर्मसभा में श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने कहा कि जीवन का सच्चा सुख संकुचित प्रेम में नहीं, बल्कि उदात्त और निःस्वार्थ प्रेम में निहित है। स्वार्थपरक प्रेम दुःख का कारण बनता है, जबकि करुणा और वात्सल्य से भरा प्रेम ही परमात्मा तक पहुंचने का सच्चा सेतु है। युवाचार्यश्री ने कहा कि जैसे प्यासे को जल, भूखे को अन्न और रोगी को औषधि तृप्ति देते हैं, वैसे ही प्रेम ही जीवन को वास्तविक तृप्ति प्रदान करता है। जहाँ अहंकार है वहाँ परमात्मा नहीं, और जहाँ प्रेम है, वहीं परमात्मा का वास है। उन्होंने भगवान महावीर का उदाहरण देते हुए कहा कि नागराज चंडकोषिक के हिंसक स्वभाव को किसी शस्त्र से नहीं, बल्कि करुणा और प्रेम से शांत किया गया। यदि हिंसा का उत्तर हिंसा से दिया जाता, तो वे महावीर नहीं बन पाते। तेरहवीं शताब्दी की एक घटना सुनाते हुए युवाचार्य प्रवर ने बताया कि महाराष्ट्र के मंगलवेढ़ा क्षेत्र में भीषण अकाल पड़ा था। उस समय दामाजी पंत नामक भंडारी ने शासन की अनुमति लिए बिना ही जनता के लिए अन्न भंडार खोल दिए। जब बादशाह ने आपत्ति जताई, तब परमात्मा मजदूर का रूप धरकर सोने की मोहरों से पूरा धन चुका गए। यह प्रसंग दशार्ता है कि जहाँ करुणा और सर्वहित का भाव होता है, वहाँ परमात्मा स्वयं साधक की रक्षा करते हैं। युवाचार्यश्री ने आगे कहा कि अहिंसा का अर्थ केवल हत्या न करना नहीं है, बल्कि सभी जीवों के प्रति करुणा और प्रेम भाव रखना है। कटु वचन, द्वेष और क्रूरता भी हिंसा का ही रूप हैं। सच्चा प्रेम वही है जिसमें अहंकार न हो और जो निःस्वार्थ हो। उन्होंने कहा कि बच्चों को डाँट-फटकार से नहीं, बल्कि प्रेम और मधुर व्यवहार से सुधारना चाहिए। चाँटे से नहीं, प्रेम से ही परिवर्तन संभव है। उन्होंने आह्वान किया कि संकुचित प्रेम से ऊपर उठकर उदात्त प्रेम और करुणा का मार्ग अपनाएँ। यही मार्ग हमें जीवन में सच्चा सुख देगा और परमात्मा तक पहुँचाने वाला सेतु बनेगा। धर्मसभा की शुरूआत में धवल ऋषिजी और हितेंद्र ऋषिजी ने अंतगड़दशांग सूत्र का वाचन व विवेचन किया। पर्युषण के चोथेदिन युवाचार्यश्री से चुंदड़ी के एक उपवास का सैकड़ों श्राविकाओं ने प्रत्याख्यान लिया। साथ ही, चतुर्थ उपवास के अनेक भाई-बहनों और बालक अहरम मुनोथ ने भी प्रत्याख्यान ग्रहण किया। इस दौरान आनंद अंबेश पाठशाला की संचालिका पिंकी जैन के नेतृत्व मे पाठशाला के बच्चों ने नाटिका प्रस्तुत की। इस अवसर पर मुम्बई मेवाड़ संघ के पूर्व शांतिलाल राठौड़, राष्ट्रीय जैन कॉन्फ्रेंस के पूर्व अध्यक्ष पारस मोदी, रोशनलाल पंगारिया, नवलसिंह सुराणा, जिमो ग्रुप के अध्यक्ष महेंद्र पंगारिया, निमेश राठौड़, मुकेश सांखला, पंकज चंडालिया, दिलीप पंगारिया, पारस पामेचा, दिलीप गांग सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

-प्रवक्ता सुनिल चपलोत

श्रावको ने रखे उपवास

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों का आत्म शुद्धि के लिए किया जाने वाला तीन दिवसीय लब्धि विधान तेला रविवार से शुरू हो गया है। वही रोट तीज पर्व मंगलवार, 26 को मनाया जाएगा। इस मौके पर मंदिरों में तीन चौबीसी पूजा विधान का आयोजन होगा । घरों में रोट खीर बनाकर अन्य धर्मों के लोगों, मित्रों को खिलाया जाएगा। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार दिगम्बर जैन धर्मावलंबी लब्धि विधान तेला करते हैं क्योंकि यह उनके लिए एक महत्वपूर्ण तपस्या और आत्म-शुद्धि का साधन है। इसमें वे 3 दिन तक उपवास या एक समय भोजन करते हुए अपने आहार और जीवनशैली को नियंत्रित करते हैं। लब्धि विधान तेला के दौरान जैन श्रद्धालु उपवास या एक समय भोजन, ध्यान और पूजन, स्वाध्याय और धार्मिक अध्ययन, आत्म-शुद्धि और आत्मचिंतन करते हैं। इस तपस्या के माध्यम से जैन श्रद्धालु अपने मन, वचन और कर्म को शुद्ध करने का प्रयास करते हैं और अपने जीवन को अधिक धार्मिक और आध्यात्मिक बनाने का संकल्प लेते हैं। महिलाएं ज्यादातर यह तीन दिवसीय तेला करती है। श्री जैन ने बताया कि रोट तीज के इस त्यौहार का बडा महत्व है। मंगलवार, 26 अगस्त को श्रद्धालुओं द्वारा रोट, घी, बूरा एवं तुरई का रायता बनाया जाएगा। श्री

शुरू हुआ तीन दिवसीय लब्धि विधान तेला

घर घर बनेंगे रोट-दिगम्बर जैन धर्मावलम्बियों का रोट तीज पर्व मंगलवार को -जैन मंदिरों में होगा तीन चौबीसी पूजा विधान-दशलक्षण महापर्व गुरुवार 28 अगस्त से-दिगम्बर जैन मंदिरों में रहेगी धूम

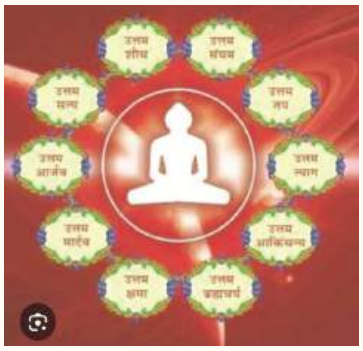

जैन ने बताया कि भाद्रपद शुक्ला तृतीया (तीज) को 72 कोठे का मण्डल मांडकर चौबीस महाराज की तीन चौबीसी पूजा विधान की जाएगी। इस पूजा विधान से लक्ष्मी अटल रहती है। इस दिन महिलाओं द्वारा रोट तीज का व्रत एवं उपवास भी किया जाता है। दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों के षोडशकारण एवं मेघमाला व्रत सोमवार 8 सितम्बर तक चलेगे। श्री जैन के मुताबिक गुरुवार, 28 अगस्त से दशलक्षण महापर्व प्रारम्भ होगें जो शनिवार, 6 सितम्बर तक चलेगे इस दौरान दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन होगें। जैन धर्म में उत्तम क्षमा, उत्तम मार्दव,उत्तम आर्जव, उत्तम शौच, उत्तम सत्य, उत्तम संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, उत्तम आकिंचन्य एवं उत्तम ब्रम्हचर्य सहित धर्म के 10 लक्षण होते हैं। इन दस दिनों में प्रातः से जैन मंदिरों में अभिषेक, शांतिधारा, सामूहिक पूजा, मुनिराजो की विशेष प्रवचन श्रृंखला, श्रावक संस्कार साधना शिविर, महाआरती, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। धर्मावलंबी तीन दिन, पांच दिन, आठ दिन, दस दिन, सोलह दिन, बत्तीस दिन सहित अपनी क्षमता एवं श्रद्धानुसार अलग-अलग अवधि के उपवास करते हैं। जिसमें निराहार रहकर केवल मात्र एक समय पानी लेते हैं। श्री जैन के मुताबिक मंगलवार, 2 सितम्बर को सुगन्ध दशमी मनाई जावेगी । शनिवार, 6 सितम्बर को अनन्त चतुर्दशी एवं दशलक्षण समापन कलश होगें। सोमवार, 8 सितम्बर को षोडशकारण समापन कलश एवं पड़वा ढोक क्षमा वाणी पर्व मनाया जावेगा । इस मौके पर वर्ष भर की त्रुटियों एवं गलतियों के लिए आपस में क्षमा मांगेंगे, खोपरा मिश्री खिलायेगें।

विनोद जैन 'कोटखावदा': प्रदेश महामंत्री

भारतीय जैन मिलन ने किया तीर्थ रक्षा को लेकर राष्ट्रीय अधिवेशन

आज तीर्थ सुरक्षित हैं कल भी सुरक्षित रहे इस हेतु जैन मिलन इस बात को सुनिश्चित करें : मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज

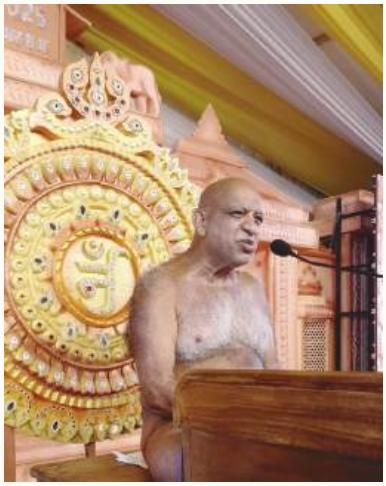

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। आज जो तीर्थ क्षेत्र सुरक्षित हैं कल भी वे तीर्थ क्षेत्र सुरक्षित रहे इस हेतु भारतीय जैन मिलन तीर्थ क्षेत्र का दौरा करें कमेटीयो के साथ बैठक करे और उन्हें हर तरह का सहयोग प्रदान करें जैन मिलन एक सोशल संस्था है लेकिन जब इसके कार्यक्रम राष्ट्रीय तीर्थ रक्षा सम्मेलन की भावना लेकर आयें तो हमें खुशी हुई भले आप मंगल पांडे की तरह सात कदम चलकर दम तोड़ दे तो भी कोई बात नहीं कम-से-कम चलने का साहस तो किया देशभर के सैकड़ों लोग मौजूद है तो आज इतना ही कर लें कि अपने आसपास के किसी एक तीर्थ क्षेत्र की में सुरक्षा करूंगा वह सभी व्यवस्थाओं पर नजर रखते हुए सभी कमीयों को दुरूस्त कर चावी कमेटी को सोप देंगे जहां विवाद है वह बैठ कर समाधान निकालेंगे तीर्थ कोई छोटी मोटी चीज नहीं है ये हमारी संस्कृति सभ्यता के मायल स्टोन है जो हमें राह दिखा रहे हैं कि आपके पूर्वज ऐसे थे जिन्होंने जंगलो में भारतीय संस्कृति को छिपा कर रखते हुए सुरक्षित रखा अव आपकी जिम्मेदारी बनती है इन तीर्थ क्षेत्रों संरक्षित अगली पीढ़ी को सुपुर्द करे ये नैतिक कर्तव्य भी है धर्म भी है और हमारा अपने देश के प्रति कर्तव्य भी है उक्त आश्य केउद्गार सुभाषगंज मैदान में भारतीय जैन मिलन के संयोजक में आयोजित तीर्थ रक्षा सम्मेलन समारोह को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए।

सांगली महाराष्ट्र से पदयात्रा का सोमवार को होगा नगर प्रवेश

इसके पहले जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ससंघ को को महाराष्ट्र ले जाने की भावना लेकर सांगली महाराष्ट्र से लगभग 1250 किलोमीटर दूर से जगतपूज्य सुधासागर जी महाराज के दर्शन करने हेतु एक 16 सदस्य दल अशोकनगर पद यात्रा करते हुए आ रहा है ये सभी पदयात्री सोमवार को पधार रहे है श्री दिगंबर जैन पंचायत एवं युवा संस्थाओं के संयोजन में अशोकनगर आपका स्वागत करने कल सुबह 7:00 बजे नई गल्ला मंडी पहुंचेंगे जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई मंत्री शैलेन्द्र श्रागर मंत्री विजय धुर्रा मंत्री संजीव भारिल्य संयोजक उमेश सिघई मनीष सिंघ ई मनोज रन्नौद थूवोनजी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू महामंत्री मनोज भैसरवास सहित अन्य प्रमुख जनो ने सभी से निवेदन किया है आप सभी उपस्थित होकर उन पदयात्रियों का स्वागत वंदन अभिनंदन करें।

राजस्थान जैन युवा महासभा करेगी सुगंध दशमी पर मंदिरों में सजने वाली झांकियों को पुरस्कृत

कार्यकारिणी की बैठक में हुआ निर्णय

जयपुर. शाबाश इंडिया

एफसीसी। दिगम्बर जैन युवा एवं महिला संगठनों की प्रदेश स्तरीय पंजीकृत प्रतिनिधि संस्था राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के जवाहर नगर - मालवीय नगर सम्भाग के पदाधिकारियों एवं जोन कार्यकारिणी सदस्यों की आवश्यक मीटिंग का आयोजन सम्भाग कार्यालय 319, शांति पथ , सिंधी कॉलोनी , राजा पार्क पर किया गया। इस मौके पर पदाधिकारियों ने समाज हित के कई निर्णय लिये। सम्भाग अध्यक्ष डॉ राजीव जैन एवं महामंत्री विनोद जैन ने बताया कि मीटिंग का शुभारंभ विश्व शांति प्रदायक णमोकार महामंत्र के तीन बार सामूहिक उच्चारण से हुआ। तत्पश्चात परिचय सत्र किया गया। सम्भाग अध्यक्ष डॉ राजीव जैन ने सम्भाग एवं तीनों जोनो की गतिविधियों की जानकारी दी। प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन ने उदबोधन देते हुए दशलक्षण महापर्व में होने वाले आयोजन एवं सुगंध दशमी पर मंदिरों में सजने वाली झांकियों के पुरस्कृत करने की प्रक्रिया बताई। प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने संस्था की वर्ष भर की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। जिला अध्यक्ष संजय पाण्डया ने सदस्यता अभियान की जानकारी दी। जिला महामंत्री सुभाष बज ने संगठन जोन, सम्भाग एवं जिला शाखा के होने वाले त्रैवार्षिक चुनाव प्रक्रिया की जानकारी दी। मीटिंग में युवा महासभा के आगामी कार्यक्रमों एवं महिला एवं युवाओं के उत्थान के लिए प्रस्तावित योजनाओं के बारे में विचार विमर्श किया गया । मीटिंग में जवाहर नगर जोन अध्यक्ष संजय जैन,महामंत्री नीतू जैन मुल्तान, दीपक कासलीवाल, मनोज पाटनी, मालवीय नगर जोन के अध्यक्ष विमलेश राणा, महामंत्री विनित चांदवाड, महिला संगठनों से मंजू गंगवाल, सुधा जैन, मीनू जैन, नम्रता जैन, अंजू जैन अपने पदाधिकारियों के साथ शामिल हुई। प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि दशलक्षण महापर्व के दौरान सम्भाग के अधीनस्थ दिगम्बर जैन मंदिरों में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रतियोगिताऐ तथा सुगंध दशमी पर दिगम्बर जैन मंदिरों में सजाई जाने वाली झांकियों को जयपुर स्तर के साथ सम्भाग स्तर पर भी पुरस्कृत करने का निर्णय किया गया। मीटिंग में युवा महासभा के सदस्यता अभियान को गम्भीरता से लेते हुए प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने शीघ्रातिशीघ्र सदस्यता अभियान को सफल बनाने के लिए निर्देश प्रदान किये गये । सम्भाग अध्यक्ष डॉ राजीव जैन ने बताया कि मीटिंग में युवा महासभा द्वारा समाज की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए सम्भाग एवं जयपुर स्तर की प्रतियोगिता आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इस मौके पर जिला महामंत्री सुभाष बज ने बताया कि संगठन के चुनावों के लिए नवल जैन एवं अमर पाटोदी को चुनाव अधिकारी तथा अनिल छाबड़ा, सी एस जैन, राजेश बडजात्या एवं राज कुमार पाटनी को चुनाव संयोजक बनाया गया है। मीटिंग का संचालन प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने किया। आभार सम्भाग महामंत्री विनोद जैन जनता कालोनी ने व्यक्त किया। -डॉ राजीव जैनः सम्भाग अध्यक्ष

सेवा भारती समिति, जयपुर, मालवीय भाग

जयपुर. शाबाश इंडया। सेवा भारती समिति, जयपुर, मालवीय भाग द्वारा 13 वा प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रेम कुमार चुग (व्यवसाई एवं समाजसेवी), विशिष्ट अतिथि कैलाश तिवारी(पूर्व प्रबंधक, कोटा), मुख्य वक्ता हनुमान सिंह भाटी(महानगर मंत्री सेवा भारती, जयपुर) रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डा अशोक दुबे, समाजसेवी द्वारा की गई।